Post updated - Difference between

Prejudice and Discrimination,

Method of reducing Prejudice.

(B.A 3rd Psychology Hons. Paper - V

Prepared By:

Dr. Gurdeep Kaur Athwal

Asst. Prof

Dept. of Psychology

B.N. College. T.M.B.U. Bhagalpur

Email: gurdeepathwal18@gmail.com

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA

पूर्वाग्रह एवं विभेद में अंतर स्पष्ट करें? पूर्वाग्रह के कम करने के उपायों का वर्णन करें:-

A. <u>पूर्वाग्रह एवं विभेद में अंतर :-</u>

पूर्वाग्रह एक मनोवृत्ति है। जो किसी वर्ग प्रजाति समूह के प्रति दिखलायी जाने वाली नापसंदगी या घृणा है। जबकि विभेद पूर्वाग्रह की व्यावहारात्मक अभिव्यक्ति है। आलपर्ट के अनुसार पूर्वाग्रह पांच क्रियाओं में से विभेद एक है।

पूर्वाग्रह किसी वस्तु तथ्य या घटना तथा अन्य व्यक्ति के बारें में एक पूर्व निर्णय होता है जबकि विभेद में किसी खास समूह में सदस्यता के कारण उस समूह के सदस्यों के साथ धनात्मक या ऋणात्मक ढंग से व्यवहार किया जाता है।

व्यक्ति में पूर्वाग्रह होने पर वह हमेशा लक्ष्य समूह के प्रति विभेद दिखलाएगा यह कोई जरुरी नहीं है। जबकि पूर्वाग्रहीत व्यक्ति को विभेद दिखलाने की अनुमति नही देता है। जैसे एक उच्च जाति का ऑफीसर कार्यालय में एक हरिजन किरानी के प्रति किसी प्रकार का विभेद नही दिखला सकता है। क्योंकि कानून सामाजिक विभेद की आज्ञा नहीं देता है।

दूसरी तरफ जब कोई व्यक्ति किसी, वर्ग, जाति या समुदाय के प्रति विभेद दिखलाता है तो उसमें एक पूर्वाधारणा होगी ही यह कोई जरुरी नहीं है। उदाहरणार्थ एक हिन्दु अपने घर में मुस्लिम किरायेदार रखने के प्रति पूर्वाग्रहित नहीं हो सकता है फिर भी वह मुहल्ले वालों के डर से उसे अपना घर किराया पर देने से इन्कार कर सकता है। यहाँ विभेद हो रहा है परन्तु उसके पीछे कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

<u>पूर्वाग्रह कम करने के उपाय :-</u>

पूर्वाग्रह एक ऐसी मनोवृत्ति है जिसका सामाजिक कुप्रभाव स्पष्ट रुप से हमें देखने को मिलता है अतः समाज मनोवैज्ञानिक ने कुछ वैसी विधियाँ एवं तरीकों का वर्णन किया है जिसके द्वारा पूर्वाग्रह कम किया जा सके। ऐसी विधियाँ निम्नांकित है।

1. अंतर समूह सम्पर्क :-

ऑलपोर्ट 1954 सबसे पहले समाज मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने पूर्वाग्रही व्यक्तियों तथा पूर्वाग्रही के लक्ष्य व्यक्ति के बीच सम्पर्क द्वारा पूर्वाग्रह को कम करने की विधि पर बल डाला है। जब पूर्वाग्रही व्यक्ति लक्ष्य व्यक्ति के निकट सम्पर्क करता है तब लक्ष्य व्यक्ति के बारे में बहुत सारी गलत फहमियाँ अपने आप दूर हो जाती है और व्यक्ति में पूर्वाग्रह कम हो जाती है।

महोदय 1954 ने एक प्रयोग गोरे और निग्रो बच्चों के ऊपर किया जिनमें समर-कैंप के बाद घनिष्ठता एवं समान भावना पायी गयी और इस तरह से उनके बीच अंतर्जातीय पूर्वाग्रह में काफी कमी हो गयी।

2. शिक्षा :-

पूर्वाग्रह को कम करने के लिए समाज मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों में शिक्षा औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों ढंग से दी जानी चाहिए। अनौपचारिक शिक्षा माता-पिता परिवार के अन्य सदस्यों एवं पास पड़ोस द्वारा बच्चों को दी जाती है। इन लोगों को चाहिए कि बच्चों के सामने ऐसी बातें नहीं करें जिससे वह किसी समूह या वर्ग के लोगों के प्रति पूर्वाग्रही हो जाए। औपचारिक शिक्षा का संबंध स्कूल, कालेज, मदरसा आदि में दी जाने वाली शिक्षा से है। इन संस्थानों के शिक्षकों को चाहिए कि वे बच्चों को वैसी शिक्षा नहीं दें जिससे उनके किसी प्रकार की पूर्वाग्रह की हानि होती है। कुछ मनोवैज्ञानिक फ्रायडरल (Fridell) एवं उनके सहयोगियों ने अपने अध्ययनों में पाया कि शिक्षा का स्तर ऊँचा होने से व्यक्ति में पूर्वाग्रह की मात्रा कम हो जाती है।

3. पूर्वाग्रह विरोधी प्रचार :-

पूर्वाग्रह के विरोध में रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा आदि से किया गया प्रचार पूर्वाग्रह को कम करने में काफी सहायक हुआ है। मेयर्स (Myers) ने अपने अध्ययनों में पाया कि जिलों को देखने से पूर्वाग्रही व्यक्तियों की पूर्वाग्रह में करीब 60% तक की कमी पायी गयी है। सैमसन यिंगर (Samson Yinger) ने अपने अध्ययन के आधार पर बताया कि पूर्वाग्रही विरोधी प्रचार पूर्वाग्रह को कम करने में शिक्षा से भी अधिक प्रभावकारी होता है।

4. अनुरूपता भूमिका :-

कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब व्यक्ति को ऐसे भूमिका करने के लिए कहा जाता है जो उसकी पूर्वाग्रह से मेल-जोल न खाकर उसके ठीक विपरीत होता है तो कुछ समय बाद व्यक्ति की मनोवृत्ति बदल जाती है। उदाहरणार्थ :- यदि उच्च जाति के व्यक्ति को कल्याणमंत्री या मुखमंत्री बना दिया जाय तो कुछ समय बाद उस व्यक्ति की मनोवृत्ति हरिजनों के प्रति बदल जाएगी और उसमें पूर्वाग्रह की मात्रा कम हो जाएगी। क्योंकि कल्याणमंत्री बनकर उसके लिए भेद-भाव करना गैर कानूनी होगा। इस तरह अनुरूप भूमिका द्वारा व्यक्ति की पूर्वाग्रह में कमी आती है।

5. सामाजिक विधान :-

पूर्वाग्रह कम करने में सामाजिक विधान की भूमिका सराहनीय है। भारत में हरिजनों से संबंधित अनेकों तरह के पूर्वाग्रह जिसमें छुआ-छूत प्रमुख थी। भारत सरकार ने सामाजिक विधान बनाकर छुआ-छूत को

और कानूनी घोषित किया है। इसी तरह महिलाओं एवं विकलांगों के प्रति पूर्वाग्रह को कम करने के लिए अन्तः जातीय विवाह को कानूनी घोषित किया है। इसी तरह महिलाओं एवं विकलांगों के प्रति पूर्वाग्रह को कम करने के लिए भारत सरकार ने अनेक तरह के सामाजिक विधान बनाए हैं। सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर उनका सामाजिक आर्थिक स्तर ऊँचा करने का प्रयास किया है।

6. अलगाव विरोधी नीति :-

सरकार एवं समाज-सेवी संस्थानों को चाहिए कि समाज में अलगाव विरोधी नीति को अपनायें ताकि पूर्वाग्रहों में कमी आ जाए जैसे हरिजनों के लिए अलग आवासीय योजना चलायी जा रही है, इससे तो हरिजनों के प्रति पहले से चली आ रही पूर्वाग्रह और भी मजबूत हो जाएगी। अतः समाज-सेवी एवं सरकारी संस्थानों को चाहिए कि इस ढंग की पृथक गृह परियोजना की जगह पर समाकलित गृह परियोजना चलाई जाय उसी तरह सरकारी नौकरियों में आरक्षण का आधार जाति या वर्ग न हो तो अच्छा है। आरक्षण का आधार कोई ऐसी कसौटी जिससे सभी जाति के लोगों को बराबर लाभ मिले।

7. व्यक्ति परिवर्तन प्रविधियाँ :-

Sampson & Smith 1957 के अनुसार पूर्वाग्रह को कम करने के लिए एक संतुलित परिपक्व एवं खुला विचार रखने वाले व्यक्तित्व का होना अनिवार्य है। समाज मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व में परिवर्तन मनोचिकित्सा की विभिन्न विधियों एवं विरेचन द्वारा उसके अंदर व्याप्त पूर्वाग्रह को कम करने पर बल डाला है। इस प्रविधियों द्वारा जब व्यक्ति के व्यक्तित्व में परिवर्तन आ जाते हैं तो वह अन्य जाति वर्ग एवं प्रजाति के व्यक्तियों के बारे उस ढंग से सोचना प्रारंभ कर देता है जिससे सारी गलत फहमियाँ अपने-आप दूर हो जाती है फलतः उसकी पूर्वाग्रह में अपने आप कमी आ जाती है।

इस तरह से स्पष्ट है कि पूर्वाग्रह कम करने के लिए समाज मनोवैज्ञानिकों ने सराहनीय तरीकों (उपायों) को अपनाया है।

REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA